हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला-176213
Himachal Pradesh Board of School Education, Dharamshala-176213

दसवीं कक्षा के छः विषयों (English, sanskrit, Science, Hindi, Maths, Social Science) के आर्दश प्रश्न पत्र बनवाए जाने के दृष्टिगत और पिछले अनुभव के आधार पर व अध्यापक सघों/अभिभावकों तथा अन्य स्त्रोतों से व समय–समय पर प्राप्त होते रहे सुझावों के आधार पर स्कूल शिक्षा बोर्ड में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें NCERT के प्रबुद्ध शिक्षाविद्धों व प्रदेश से सम्बन्धित विषय के विषय विशेषज्ञों ने कार्यशाला में भाग लिया। इस सन्दर्भ मे स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा अनुमोदित Scheme Of Studies के अनुरुप विभिन्न विषयों के आर्दश प्रश्न पत्रों का एक प्रारुप विषय विशेषज्ञों से प्राप्त हुआ है। आर्दश प्रश्न पत्रों का यह प्रारुप विभिन्न संगठनों व शिक्षा से जुडे विशेषज्ञों के सुझाव हेतु बोर्ड की Website पर डाला गया है। इस सन्दर्भ में किसी भी प्रकार के सुझाव शिक्षा बोर्ड को 15 दिनों के भीतर–2 ईमेल के माध्यम से भेजे जाएं ताकि इसे अन्तिम रुप दिया जा सके।

ज्ञानालोक परिसर, धर्मशाला ज़िला काँगड़ा(हि०प्र०)–176213
दूरभाष/Tele: 01892-242....., 242....., 229037
फैक्स/fax: 01892-225419, 222817

Gayanalok Parisar, Dharamshala Distt. Kangra(HP)-176213
अणु डाक/e-mail : hpbose2011@gmail.com
Website : hpbose.org

Downloaded from cclchapter.com

Class - Matric

SUBJECT –HINDI
ROLL NO. .....
TOTAL NO. OF QUESTIONS .....

TIME ALLOWED : 3 HOURS **MAXIMUM MARKS – 85**

परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

विशेष निर्देश :

1) अपनी उत्तर–पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ के ऊपर बाईं ओर दिए गए वृत में प्रश्न–पत्र सीरीज़ अवश्य लिखिए।
2) उत्तर–पुस्तिका के बीच खाली पन्ना / पन्ने न छोड़िए।
3) प्रश्नों के उत्तर देते समय जो प्रश्न–संख्या प्रश्न पत्र में दर्शाई गई है, उत्तर–पुस्तिका पर वही प्रश्न–संख्या लिखना अनिवार्य है।
4) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्र. 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

साहस की जिन्दगी सबसे बड़ी जिन्दगी होती है। ऐसी जिन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता है कि तमाशा देखने वाले लोग इस के बारे में क्या सोच रहे हैं ? जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस–पड़ोस को देखकर चलना यह असाधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों से भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहस के साथ यदि धैर्य का संयोग हो तो इसे मणिकांचन योग माना जाता है। जीवन में जब विपरीत परिस्थितियां आएँ तो हमें साहस और धैर्य से उनका सामना करना चाहिए। गोस्वामी तुलसीदास ने भी असमय के सखा के रूप में धैर्य और साहस दोनों को बनाए रखने पर बल दिया है।

Downloaded from cclchapter.com

1) गद्यांश में किस गुण का वर्णन किया जा रहा है ? इसकी प्रशंसा किस प्रकार की गई है ?
2) साहसी व्यक्ति की पहली पहचान क्या है ?
3) कैसा व्यक्ति दुनिया की असली ताकत होता है और क्यों ?
4) क्रांति करने वाले लोगों की विशेषताएं लिखिए।
5) साहस और धैर्य के सम्बन्ध की तुलना किस से की गई है ? स्पष्ट कीजिए।
6) तुलसीदास ने साहस और धैर्य को असमय के सखा क्यों कहा है ?
7) गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।
8) किन–किन के संयोग से वह कौन–सा योग बनता है ?
9) अड़ोस–पड़ोस में कौन–सा समास है ?
10) **'संयोग' में किस उपसर्ग का प्रयोग है ?** (1x10=10)

प्र. 2 अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जिस प्रकार बीज के उगने और बढ़ने के लिए मौसम विशेष नहीं, अपेक्षित परिस्थितियों का निर्माण जरूरी है। उसी प्रकार किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए बाहरी परिस्थितियां नहीं, मन की सकारात्मक वृति अनिवार्य है और वह सकारात्मक वृत्ति है हमारा संकल्प। संकल्पाः कल्पतरवः तेजः कल्पकोद्यानम् अर्थात संकल्प ही कल्पतरू है और तेज अथवा मन उन कल्पतरूओं का उद्यान है। जैसी कल्पना वैसा उद्यान अर्थात जीवन की दिशा और दशा। गहन संकल्प से ही संभव है पूर्ण सफलता। कुछ कर गुजरने के लिए वास्तव में मौसम अथवा बाहरी परिस्थितियां ही सब कुछ नहीं हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण है मन। इस सम्पूर्ण सृष्टि के सृजन के मूल में मन ही तो है। मन ही वह अदृश्य सूक्ष्म बीज अथवा सत्ता है। जिस से यह पृथ्वी रूपी विशाल वट वृक्ष अस्तित्व में आया और निरंतर पल्लवित–पुष्पित हो रहा है तभी तो कहा गया है कि कुछ कर गुजरने के लिए मौसम नहीं मन चाहिए। साधन सभी जुट जाएँगे संकल्प का धन चाहिए।

क) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।
ख) इस गद्यांश का एक–तिहाई शब्दों में सार लिखिए।
ग) **बीज के उगने और बढ़ने के लिए क्या जरूरी है ?** (2+3+2=7)

खण्ड – ख

प्र. 3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए :

क) भारतीय संस्कृति :
(भूमिका, संस्कृति के तात्पर्य, भारतीय संस्कृति का स्वरूप, इसकी प्राचीनता, अनेकता में एकता

Downloaded from solchapter.com

की भावना, उपसंहार।)

ख) इंटरनेट :
(भूमिका, इंटरनेट क्या है ?, रफ्तार, लाभ, हानियाँ, उपसंहार)

ग) लड़का–लड़की एक समान :
(भूमिका, पुरूष और स्त्री एक दूसरे के पूरक, समय की परिवर्तनशीलता, पुरूष प्रधान समाज, आधुनिक युग में स्थिति, उपसंहार) (8)

प्र. 4 प्रधानाचार्य को पत्र लिखें जिसमें आपकी कक्षा में जिन वस्तुओं की आवश्यकता है उन की सूची बना कर प्रस्तुत करें।

या

मुहल्ले की सफाई न होने पर नगरपालिका के प्रधान को पत्र लिखकर शिकायत करें। (4)

खण्ड – ग

प्र. 5 निम्नलिखित वाक्यों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

क) सूर्योदय होने पर पक्षी चहचहाने लगे।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

ख) वह आलसी था, इसलिए विफल हुआ।
(सरल वाक्य में बदलिए)

ग) देश पर मर मिटने वाला व्यक्ति ही सच्चा देश भक्त होता है।
(मिश्र वाक्य में बदलिए) (1x3=3)

प्र. 6 निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए:

क) विशाल रोता है। (कर्मवाच्य में)

ख) वह दौड़ नहीं सकता। (भाववाच्य में)

ग) राष्ट्रपति ने इस भवन का उद्घाटन किया। (कर्मवाच्य में) (1x3=3)

प्र. 7 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

क) शब्द और पद में क्या अन्तर है ?

ख) तुम <u>कहाँ</u> रहती हो ? (रेखांकित पद है या शब्द)

ग) भाषा किसे कहते हैं ? (1x3=3)

प्र. 8 निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए :

क) वेद–पुराण, यथासम्भव

ख) अंक अथवा द्वार के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए। (2+1=3)

प्र. 9 हमारे विद्यालय में बहुत गंदगी फैली है। इसलिए विद्यालय में स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए एक विज्ञापन तैयार करें।

या

पंचायत के प्रधान तथा कृषकों के मध्य अपनी कृषि की उत्पादकता में वृद्धि के लिए कृषकों तथा प्रधान के मध्य संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखें। (4)

खण्ड – घ

प्र. 10 आपके विद्यालय में खेल–प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस विषय के बारे में अपने शब्दों में एक सूचना तैयार करें। (4)

प्र. 11 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें : (कोई तीन)

यह पितृगाथा मैं इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव–गान करना है। बल्कि मैं तो यह देखना चाहती हूँ कि उनके व्यक्तित्व की कौन–सी खूबी और खामियां मेरे व्यक्तित्व के ताने–बाने में गुँथी हुई है। या कि अनचाहे–अनजाने किए उनके व्यवहार ने मेरे भीतर किन ग्रंथियों को जन्म दे दिया।

क) लेखिका के पिता में क्या खूबियां थीं ?
ख) लेखिका अपने पिता के संबंध में क्यों बता रही हैं ?
ग) लेखिका के पिता की खामियों का वर्णन कीजिए।
घ) लेखिका पर पिता के व्यक्तित्व का क्या प्रभाव पड़ा ? (2+2+2=6)

प्र. 12 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर संक्षेप में दें :

क) नेता जी का चश्मा पाठ के आधार पर पान वाले का रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।

या

बिस्मिल्ला खाँ के जीवन से जुड़ी उन घटनाओं और व्यक्तियों का उल्लेख करें जिन्होंने उनकी संगति साधना को समृद्ध किया। (6)

प्र. 13 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (कोई तीन)

डार द्रुम पलना बिछौना नव पल्लव के
सुमन झिंगूला सोहै तब छवि भारी दै।।

पवनझूलावै केकी–कीर बरताबै 'देव'।
कोकिल हलावै–हुलसावै कर तारी दै।।
पूरित पराग सों उतारो करै राई नोन,
कंजकली नायिका लतान सिर सारी दै।
मदन महीप जू को बालक बंसत ताहि;
प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै।।

क) कवित्त में निहित भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
ख) कोयल क्या–क्या कर रही है ?
ग) बंसत ने कैसे वस्त्र पहने हुए हैं ?
घ) बालक बंसत का बिछौना किस से बना है। (2+2+2=6)

प्र. 14 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :
क) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन–2 से तर्क दिए ?
ख) स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है ?
ग) गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है।
घ) आपकी दृष्टि में कन्या के साथ दान की बात करना कहाँ तक उचित है ?
ङ) कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है ? (2+2+2=6)

प्र. 15 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें : (कोई तीन)
क) आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देख कर सिसकना क्यों भूल जाता है ?
ख) जार्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या–2 यत्न किए ?
ग) गंतोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर क्यों कहा गया ?
घ) दुलारी का टुन्नू से पहली बार परिचय कहां और किस रूप में हुआ ?
ङ) हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरूपयोग है। आपकी दृष्टि से विज्ञान का दुरूपयोग कहां–कहां और किस तरह से हो रहा है ? (2+2+2=6)

प्र. 16 देश की सीमा पर बैठे फौजी किस तरह की कठिनाइयों से जूझते हैं ? हमारा उन के प्रति क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए ?

या

जितेन नार्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं ? (6)